ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

जनसंपर्क कार्यालय

PUBLIC RELATIONS OFFICE

आज़ादी का अमृत महोत्सव

हिंदी विश्वविद्यालय में उल्लास नव भारत साक्षरता के अंतर्गत राष्ट्रीय अभिमुखीकरण कार्यक्रम का उद्घाटन

विकसित भारत के लिए शत-प्रतिशत साक्षरता आवश्यक : प्रो. गोपाल कृष्ण ठाकुर

वर्धा, 24 जनवरी 2026 :

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा में शनिवार, 24 जनवरी को उल्लास – नव भारत साक्षरता अभियान के अंतर्गत अध्यापक शिक्षा संस्थानों के लिए राष्ट्रीय अभिमुखीकरण कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के कस्तूरबा सभागार में राष्ट्रीय साक्षरता केंद्र प्रकोष्ठ, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और

प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी), नई दिल्ली, राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) तथा महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में किया गया।

उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के शिक्षा विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो. गोपाल कृष्ण ठाकुर ने कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए देश में शत-प्रतिशत साक्षरता अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि भारत विश्व की

पाँचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने के बावजूद अभी विकसित देशों की श्रेणी में नहीं है। वर्तमान लगभग 80 प्रतिशत साक्षरता दर को 100 प्रतिशत तक पहुँचाने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है।

पोस्ट हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र), भारत

ई-मेल/E-mail: pro.mgahv@hindivishwa.ac.in **वेबसाइट/Website:** www.hindivishwa.org

दूरभाष : +91-7152-252651 मोबाइल/Mobile : 9960562305

इस अवसर पर महाराष्ट्र सरकार के निदेशक (योजना) श्री कृष्ण कुमार पाटील ने महाराष्ट्र राज्य में उल्लास कार्यक्रम के कार्यान्वयन की स्थिति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 15 वर्ष से अधिक आयु के प्रत्येक व्यक्ति को साक्षर बनाना उल्लास – नव भारत साक्षरता अभियान का प्रमुख उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि इस लक्ष्य की प्राप्ति में शिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है तथा वर्ष 2027 तक महाराष्ट्र को पूर्ण साक्षर राज्य बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

कार्यक्रम में अंबेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली के सहायक प्राध्यापक डॉ. ऋषभ मिश्रा ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 और

समुदाय सहभागिता के माध्यम से विकसित भारत के लक्ष्य को सुदृढ़ करने में शैक्षिक संस्थानों की भूमिका विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए। वहीं क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (आर.आई.ई.), भोपाल के सहायक प्राध्यापक डॉ. पवन कुमार ने उल्लास योजना के क्रियान्वयन में अध्यापक शिक्षा संस्थानों की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की।

मंच पर डॉ. वंदना वाहुळ, उपसंचालक (योजना), शिक्षण संचालनालय, महाराष्ट्र तथा सुश्री गीतांजलि बोरुडे, विभागाध्यक्ष, एससीईआरटी, महाराष्ट्र की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम का स्वागत संबोधन हिंदी विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. समरजीत यादव ने किया। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय साक्षरता केंद्र प्रकोष्ठ, नई दिल्ली की परामर्शदाता सुश्री ज्योति तिवारी ने किया, जबकि राष्ट्रीय साक्षरता केंद्र प्रकोष्ठ की वरिष्ठ परामर्शदाता डॉ. अलका योगी ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं कुलगीत से हुआ। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अध्यापकगण तथा महाराष्ट्र राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं शिक्षा संस्थानों के शिक्षक उपस्थित रहे।

उद्घाटन सत्र के पश्चात राष्ट्रीय साक्षरता केंद्र प्रकोष्ठ, नई दिल्ली की परामर्शदाता सुश्री ज्योति तिवारी ने उल्लास – नव भारत साक्षरता कार्यक्रम एवं अध्यापक शिक्षा संस्थानों में सामाजिक चेतना केंद्र विषय पर पीपीटी प्रस्तुति के माध्यम से संबोधित किया।

उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 ने 'सबके लिए शिक्षा' की परिकल्पना को सुदृढ़ करते हुए देश के प्रत्येक अशिक्षित नागरिक को साक्षर बनाने पर बल दिया है। इसी क्रम में शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अप्रैल 2022 में उल्लास – नव भारत साक्षरता कार्यक्रम प्रारंभ किया गया, जिसका उद्देश्य 15 वर्ष एवं उससे अधिक आयु के उन सभी

असाक्षर व्यक्तियों को आधारभूत साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान प्रदान करना है, जो किसी कारणवश औपचारिक शिक्षा से वंचित रह गए हैं। यह कार्यक्रम केवल एक शैक्षणिक पहल नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय जन-आंदोलन है। इसी उद्देश्य की पूर्ति हेतु इस राष्ट्रीय अभिमुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

दिनभर चले विभिन्न सत्रों में उल्लास – नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के विविध पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। कार्यक्रम की सफलता में डायट वर्धा के प्राचार्य डॉ. मंगेश घोगरे, डॉ. राम सोनारे, ज्ञानेश्वर पानसरे, विश्वविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी बी.एस. मिरगे सहित अन्य सहयोगियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

तकनीकी सहयोग में सचिन बोडखे, मुशीर खान, मिथिलेश राय एवं हेमंत दुबे ने सक्रिय भूमिका निभाई।

हिंदी विद्यापीठात 'उल्लास – नव भारत साक्षरता' अंतर्गत राष्ट्रीय अभिमुखीकरण कार्यक्रमाचे उद्घाटन

विकसित भारतासाठी शंभर टक्के साक्षरता आवश्यक : प्रो. गोपाल कृष्ण ठाकूर

वर्धा, 24 जानेवारी 2026 :

महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विद्यापीठ, वर्धा येथे शनिवार, 24 जानेवारी रोजी 'उल्लास – नव भारत साक्षरता' अभियानांतर्गत अध्यापक शिक्षण संस्थांसाठी राष्ट्रीय अभिमुखीकरण कार्यक्रमाचे उद्घाटन करण्यात आले. हा कार्यक्रम विद्यापीठाच्या कस्तुरबा सभागृहात राष्ट्रीय साक्षरता केंद्र प्रकोष्ठ, राष्ट्रीय शैक्षणिक संशोधन व प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी), नवी दिल्ली, राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षण परिषद (एनसीटीई) आणि महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विद्यापीठ यांच्या संयुक्त विद्यमाने आयोजित करण्यात आला.

उद्घाटन सत्राच्या अध्यक्षस्थानावरून बोलताना विद्यापीठाच्या शिक्षण विद्यापीठाचे अधिष्ठाता प्रो. गोपाल कृष्ण ठाकूर म्हणाले की विकसित भारताचे उद्दिष्ट साध्य करण्यासाठी देशात शंभर टक्के साक्षरता आवश्यक आहे. भारत जगातील पाचवी मोठी अर्थव्यवस्था असली तरी अद्याप विकसित देशांच्या श्रेणीत पोहोचलेला नाही. सध्या असलेला सुमारे 80 टक्के साक्षरतेचा दर 100 टक्क्यांपर्यंत नेण्यासाठी सर्वांनी एकत्रितपणे कार्य करण्याची गरज असल्याचे त्यांनी नमूद केले.

यावेळी महाराष्ट्र शासनाचे संचालक (नियोजन) श्री. कृष्णकुमार पाटील यांनी महाराष्ट्र राज्यातील 'उल्लास' कार्यक्रमाच्या अंमलबजावणीची माहिती दिली. 15 वर्षे व त्यावरील वयोगटातील प्रत्येक व्यक्तीस साक्षर करणे हा 'उल्लास – नव भारत साक्षरता' अभियानाचा मुख्य उद्देश असल्याचे त्यांनी सांगितले. हे उद्दिष्ट साध्य करण्यात शिक्षक प्रशिक्षण संस्थांची भूमिका अत्यंत महत्त्वाची असून, 2027 पर्यंत महाराष्ट्र राज्य पूर्णतः साक्षर करण्याचे लक्ष्य निश्चित करण्यात आले असल्याचे त्यांनी स्पष्ट केले.

कार्यक्रमात आंबेडकर विद्यापीठ, दिल्ली येथील सहायक प्राध्यापक डॉ. ऋषभ मिश्रा यांनी राष्ट्रीय शिक्षण धोरण–2020 आणि समुदाय सहभागाच्या माध्यमातून विकसित भारताचे उद्दिष्ट बळकट करण्यात शैक्षणिक संस्थांची भूमिका या विषयावर आपले विचार मांडले. तसेच प्रादेशिक शिक्षण संस्था (आर.आय.ई.), भोपाळ येथील सहायक प्राध्यापक डॉ. पवन कुमार यांनी उल्लास योजनेच्या अंमलबजावणीत अध्यापक शिक्षण संस्थांची भूमिका यावर सविस्तर चर्चा केली.

मंचावर डॉ. वंदना वाहुळ, उपसंचालक (नियोजन), शिक्षण संचालनालय, महाराष्ट्र तसेच सौ. गीतांजली बोरुडे, विभागप्रमुख, एससीईआरटी, महाराष्ट्र यांची उपस्थिती होती.

कार्यक्रमाचे स्वागतपर भाषण हिंदी विद्यापीठाच्या शिक्षण विभागातील सहायक प्राध्यापक डॉ. समरजीत यादव यांनी केले. कार्यक्रमाचे सूत्रसंचालन राष्ट्रीय साक्षरता केंद्र प्रकोष्ठ, नवी दिल्ली येथील सल्लागार सौ. ज्योती तिवारी यांनी केले, तर वरिष्ठ सल्लागार डॉ. अलका योगी यांनी आभार मानले. कार्यक्रमाची सुरुवात दीपप्रज्वलन व कुलगीताने

झाली. यावेळी विद्यापीठातील प्राध्यापक तसेच महाराष्ट्रातील विविध विद्यापीठे व शिक्षण संस्थांतील शिक्षक उपस्थित होते.

उद्घाटन सत्रानंतर राष्ट्रीय साक्षरता केंद्र प्रकोष्ठ, नवी दिल्ली येथील सल्लागार सौ. ज्योती तिवारी यांनी 'उल्लास – नव भारत साक्षरता' कार्यक्रम व अध्यापक शिक्षण संस्थांमधील सामाजिक चेतना केंद्र या विषयावर पीपीटी सादरीकरणाद्वारे मार्गदर्शन केले.

उल्लेखनीय आहे की राष्ट्रीय शिक्षण धोरण–2020 मध्ये 'सर्वांसाठी शिक्षण' ही संकल्पना बळकट करत देशातील प्रत्येक अशिक्षित नागरिकास साक्षर करण्यावर भर देण्यात आला आहे. याच अनुषंगाने भारत सरकारच्या शिक्षण मंत्रालयाने एप्रिल 2022 मध्ये 'उल्लास – नव भारत साक्षरता' कार्यक्रम सुरू केला. या कार्यक्रमाचा उद्देश 15 वर्षे व त्यावरील वयोगटातील अशा सर्व असाक्षर व्यक्तींना मूलभूत साक्षरता व संख्याज्ञान प्रदान करणे हा आहे, जे विविध कारणांमुळे औपचारिक शिक्षणापासून वंचित राहिले आहेत. हा कार्यक्रम केवळ शैक्षणिक उपक्रम नसून, तो एक राष्ट्रीय जनआंदोलन आहे. या दृष्टीनेच या राष्ट्रीय अभिमुखीकरण कार्यक्रमाचे आयोजन करण्यात आले.

दिवसभर चाललेल्या विविध सत्रांमध्ये 'उल्लास – नव भारत साक्षरता' कार्यक्रमाच्या विविध पैलूंवर सखोल चर्चा करण्यात आली. कार्यक्रमाच्या यशस्वी आयोजनासाठी डायट वर्धाचे प्राचार्य डॉ. मंगेश घोगरे, डॉ. राम सोनारे, ज्ञानेश्वर पानसरे, विद्यापीठाचे जनसंपर्क अधिकारी बी.एस. मिरगे यांच्यासह इतर सहकाऱ्यांनी योगदान दिले.

तांत्रिक सहकार्यामध्ये सचिन बोडखे, मुशीर खान, मिथिलेश राय आणि हेमंत दुबे यांनी सहभाग नोंदविला.

……

National Orientation Programme under ULLAS – New India Literacy inaugurated at Hindi University

100 per cent literacy essential for a Developed India: Prof. Gopal Krishna Thakur

Wardha, January 24, 2026:

A National Orientation Programme for teacher education institutions under the ULLAS – New India Literacy Campaign was inaugurated on Saturday, January 24, at Mahatma Gandhi International Hindi University, Wardha. The programme was held at the Kasturba Auditorium and jointly organised by the National Literacy Centre Cell, National Council of Educational Research and Training (NCERT), New Delhi; the National Council for Teacher Education (NCTE); and Mahatma Gandhi International Hindi University.

Presiding over the inaugural session, Prof. Gopal Krishna Thakur, Dean of the School of Education, stated that achieving 100 per cent literacy in the country is essential to realise the vision of a Developed India. He observed that although India is the world's fifth-largest economy, it has not yet attained the status of a developed nation. He emphasised the need for collective efforts to raise the current literacy rate of approximately 80 per cent to complete literacy.

On this occasion, Mr. Krishna Kumar Patil, Director (Planning), Government of Maharashtra, highlighted the status of implementation of the ULLAS programme in the state. He stated that the primary objective of the ULLAS – New India Literacy Campaign is to make every individual aged 15 years and above literate. He underlined the crucial role of teacher training institutions

in achieving this goal and informed that Maharashtra has set a target of becoming a fully literate state by 2027.

During the programme, Dr. Rishabh Mishra, Assistant Professor at Ambedkar University, Delhi, presented his views on the role of educational institutions in strengthening the goal of a Developed India through the National Education Policy–2020 and community participation. Dr. Pawan Kumar, Assistant Professor at the Regional Institute of Education (RIE), Bhopal, discussed in detail the role of teacher education institutions in the implementation of the ULLAS scheme.

The programme was graced by the presence of Dr. Vandana Vahul, Deputy Director (Planning), Directorate of Education, Maharashtra, and Ms. Gitanjali Borude, Head of Department, SCERT, Maharashtra, on the dais.

The welcome address was delivered by Dr. Samarjit Yadav, Assistant Professor, Department of Education, MGAHV. The programme was conducted by Ms. Jyoti Tiwari, Consultant, National Literacy Centre Cell, New Delhi, while the vote of thanks was proposed by Dr. Alka Yogi, Senior Consultant, National Literacy Centre Cell. The programme commenced with the lighting of the ceremonial lamp followed by the university anthem. Faculty members of the university and teachers from various universities and educational institutions across Maharashtra were present on the occasion.

Following the inaugural session, Ms. Jyoti Tiwari addressed the participants through a PowerPoint presentation on ULLAS – New India Literacy Programme and Social Awareness Centres in Teacher Education Institutions.

It is noteworthy that the National Education Policy–2020 has strengthened the vision of “Education for All” and emphasised the need to make every illiterate citizen of the country literate. In this context, the Ministry of Education, Government of India, launched the ULLAS – New India Literacy Programme in April 2022 with the objective of providing foundational literacy and numeracy skills to all non-literate persons aged 15 years and above who, for various reasons, were deprived of formal education. This programme is not merely an educational initiative but a national mass movement. Keeping this vision in mind, the present National Orientation Programme was organised.

Various sessions held throughout the day witnessed in-depth discussions on different dimensions of the ULLAS – New India Literacy Programme. The success of the programme was made possible through the efforts of Dr. Mangesh Ghogare, Principal, DIET Wardha; Dr. Ram Sonare; Mr. Dnyaneshwar Pansare; and Mr. B. S. Mirge, PRO of the University, among others.

Technical support for the programme was provided by Mr. Sachin Bodkhe, Mr. Musheer Khan, Mr. Mithilesh Rai, and Mr. Hemant Dubey.